ऐसे मेरी मैया जी का डेरा है

पर्वतों का घेरा है
जैसे चांद तारों में ऐसे मेरी मैया जी का डेरा है,
मेरी मैया जी का डेरा है, मेरी मैया जी का डेरा है,
पर्वतों का घेरा है.....

छाई हरियाली है....-2
मैया जी के मंदिर की कैसी शान निराली है,
कैसी शान निराली है, कैसी शान निराली है,
पर्वतों का घेरा है.....

लंम्बी लम्बी कतारे है....-2
मैया जी के दर्शन को सारे हाथ पसारे है,
सारे हाथ पसारे है, सारे हाथ पसारे है,
पर्वतों का घेरा है.....

माँ के चरणों मे रहते है....-2
सारे तारे गिन गिन के जय माता दी कहते है,
जय माता दी कहते है, जय माता दी कहते है,
पर्वतों का घेरा है.....

ऐसी मेरी मईया है....-2
हर लेती दुख लखेया करे सुख की छईयाँ है,
करे सुख की छईयाँ है, करे सुख की छईयाँ है,
पर्वतों का घेरा है.....

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31795/title/aise-meri-mayia-ji-ka-dera-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |